आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

हिन्दी पाक्षिक समाचार पत्र

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-1 अंक-17, भोपाल, 1 से 15 जुलाई 2016 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

'शक्तिमान' की प्रतिमा पहले लगाई गई, अब हटाई गई

देहरादून। कथित रूप से एक बीजेपी विधायक द्वारा पीटे जाने की वजह से पिछली टांग टूट जाने के कुछ समय बाद जब कुछ महीने पहले शक्तिमान नामक घोड़े की मौत हुई थी, देश के कोने-कोने से शोकसंदेशों के साथ-साथ गुस्सा भी व्यक्त किया गया था। 14 वर्ष का शक्तिमान पुलिस का घोड़ा रहा था, और अप्रैल में उसकी मौत हो जाने के बाद शनिवार को देहरादून के बीचोंबीच एक प्रमुख चौराहे पर श्रद्धांजलिस्वरूप उसकी प्रतिमा लगाई गई, लेकिन मंगलवार सुबह लाल काठी में सजे सफेद रंग के घोड़े की इस प्रतिमा को हटा लिया गया। बताया जा रहा है कि सरकार ने बीजेपी और आम लोगों के दबाव में यह फैसला लिया है।

सबरीमाला मंदिर में महिला प्रवेश मुद्दा

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने संकेत दिये कि वह ऐतिहासिक सबरीमाला मंदिर में दस से 50 साल के उम्र की महिलाओं के प्रवेश पर पाबंदी की सदियों पुरानी परंपरा के मुद्दे को पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के पास भेज सकता है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह मौलिक अधिकारों के उल्लंघन से जुड़ा मसला है। न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि महिलाओं को संविधान के तहत अधिकार मिले हैं और अगर यह मामला पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के पास भेजा जाता है तो वह इस मामले में विस्तृत आदेश देगी। पीठ ने कहा, "हम सोचते हैं कि इसे संविधान पीठ के पास भेजने की जरूरत है।" इस पीठ में न्यायमूर्ति सी नागप्पन और न्यायमूर्ति आर भानुमति भी शामिल थे। पीठ ने इस मामले में आगे की सुनवाई के लिए सात नवंबर की तारीख तय की।

इंजीनियर हत्याकांड का मुख्य आरोपी मुकेश पाठक गिरफ्तार

पटना। बिहार का मोस्टवांटेड अपराधी मुकेश पाठक को एसटीएफ की टीम ने झारखंड से गिरफ्तार कर लिया है. दरभंगा इंजीनियर्स मर्डर केस में मुकेश पाठक की पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही थी. जानकारी के मुताबिक झारखंड में कोर्ट में पेशी होने के बाद एसटीएफ की टीम मुकेश को लेकर पटना पहुंचेगी। मालूम हो कि दरभंगा के डबल इंजीनियर्स मर्डर केस के बाद से ही मुकेश पाठक फरार चल रहा था. उसके नेपाल में छुपे होने की आशंका जतायी जा रही थी. हालांकि झारखंड से उसकी गिरफ्तारी के साथ ही इस बात के साफ संकेत मिल रहे है कि उसे नक्सलियों का संरक्षण प्राप्त था.

आपको बता दें कि बिहार के दरभंगा में बहेड़ी थाना क्षेत्र अन्तर्गत शिवराम-गंगदह एसएच- 88 निर्माण के दौरान बीते वर्ष 26 दिसंबर की दोपहर रंगदारी को लेकर बीएनसी एंड सीएनसी के दो इंजीनियर ब्रजेश कुमार सिंह और मुकेश कुमार सिंह की गोलियों से भून कर हत्या कर दी गयी थी. इस मामले में मास्टर माइंड मुकेश पाठक अब तक फरार चल रहा था जबकि उसके कई सहयोगी गिरफ्तार किये जा चुके हैं।

खत्म हुई पीएम मोदी की मीटिंग, कहा-

मत बनने दो बुरहान को बड़ा नेता

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में हिंसक प्रदर्शनों को लेकर पीएम मोदी ने मंगलवार को बैठक की. 7आरसीआर में हुई यह बैठक लगातार दो घंटे तक चली. पीएम मोदी ने बैठक के दौरान घाटी में शांति बनाए रखने की अपील की और राज्य सरकार को हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया. सूत्रों के मुताबिक पीएम ने राज्य सरकार को हालात काबू करने के लिए पूरी छूट दी है।

पीएम मोदी ने बैठक में राज्य सरकार को हालात का सामना बेहतर तरीके से करने को कहा है। साथ ही केंद्र सरकार की पूरी मदद मिलने का भी आश्वासन दिया है। पीएम ने साफ कहा कि बुरहान वानी एक आतंकवादी था, उसे बड़ा नेता न बनाया जाए। उसे आतंकी के तौर पर ही देखा जाए। पीएम ने कहा कि पत्तथरबाजी करने वाले युवाओं से राज्य सरकार निपटेगी। लेकिन सुरक्षा ठिकानो और सुरक्षा कर्मियों पर हमलों से सख्ती से निपटा जाएगा।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बैठक के बाद बताया कि पीएम ने कहा है कि वे राज्य सरकार को पूर्ण सहयोग देंगे। पीएम ने राज्य के हालात पर चिंता जताई और बेकसूरों को परेशानी न होने देने की अपील की।

जितेंद्र सिंह ने बताया कि पूरे राज्य के हालात पर पीएम करीबी से नजर बनाए हुए हैं। पीएम ने अमरनाथ यात्रा को लेकर किए गए इंतजाम पर संतोष जताया। इस बैठक में गृह मंत्री राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री मनोहर परिकर, विदेश मंत्री सुषमा स्वराज, वित्त मंत्री अरुण जेटली, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल समेत तमाम वरिष्ठ मंत्री और अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में पीएम को आतंकी बुरहान वानी के मारे जाने से कश्मीर घाटी में पैदा हुए हालात का ब्योरा दिया गया।

कश्मीर हिंसा पर पाकिस्तान को बड़ा झटका

जम्मू-कश्मीर में हिजबुल कमांडर और पोस्टर ब्वॉय बुरहान वानी की मौत का रोना रोकर भारत की कार्रवाई को गलत बताने वाले पाकिस्तान को अमेरिका की ओर से झटका लगा है। अमेरिका ने कहा है कि कश्मीर भारत का आंतरिक मामला है और सभी पक्षों को वानी के मारे जाने के बाद घाटी में भड़के तनाव का शांतिपूर्ण समाधान निकालने की कोशिश करनी चाहिए। अमेरिकी विदेश विभाग के एक प्रवक्ता ने कहा कि 'हमने कश्मीर में भारतीय बलों और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पों की खबरें देखी हैं और हम हिंसा से चिंतित हैं। हम सभी पक्षों को शांतिपूर्ण समाधान ढूंढ़ने की दिशा में काम करने को प्रोत्साहित करते हैं।' प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका ने इस मुद्दे पर भारत से बात नहीं की है क्योंकि यह भारत का आंतरिक मामला है। पाकिस्तानी पीएम नवाज शरीफ ने एक बयान जारी किया था, इसमें कहा गया कि वे कश्मीर में बुरहान वानी के मारे जाने से सदमे में हैं. इसके बाद पाकिस्तान की ओर से कहा गया कि वे कश्मीर का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाएगा. ऐसे में अमेरिका के बयान से पाकिस्तान फिर अलग-थलग पड़ता नजर आ रहा है।

नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया-राहुल को राहत

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड केस में कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और उपाध्यक्ष राहुल गांधी को बड़ी राहत मिली है. दिल्ली हाईकोर्ट ने मामले में पटियाला हाउस के फैसले को निरस्त कर दिया है. हाई कोर्ट ने अपने ऑर्डर में कहा है कि CRPC के सेक्शन 91 के तहत कोई भी ऑर्डर करने के पहले आरोपी पार्टी को सुना जाना जरूरी है,जो इस मामले मे नहीं किया गया। कोर्ट ने कहा कि इस मामले मे सुब्रमण्यम स्वामी ने कैजुअल तरीके से एप्लीकेशन लगाई और उसी कैजुअल तरीके से पटियाला हाउस कोर्ट ने आदेश दे दिए. हालांकि कोर्ट ने अपने आदेश मे कहा कि सुब्रमण्यम स्वामी इस आदेश के खिलाफ अपील कर सकते हैं। दिल्ली की पटियाला हाउस कोर्ट ने 11 मार्च को नेशनल हेराल्ड मामले में बीजेपी नेता सुब्रमण्यम स्वामी की उस मांग को स्वीकार कर लिया था जिसमें इंडियन नेशनल कांग्रेस (आईएनसी) और एसोसिएटिड जनरल प्रा.लि.(एजेएल) की वित्तिय जानकारी से जुड़े कुछ कागजात समन करने की मांग की गई थी. कोर्ट ने सभी संबंधित विभागों को आदेश जारी किया है कि वह संबंधित दस्तावेजों की प्रति स्वामी को दें। सुनवाई के लिए कागजात जरूरी- स्वामी पटियाला हाउस कोर्ट ने इस मामले में स्वामी की अर्जी पर दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुनाया था।

प्रियंका गांधी: उत्तर प्रदेश में कांग्रेस का अमोघ अस्त्र

नई दिल्ली। अभी वे आई नहीं हैं और न ही उन्होंने इसकी घोषणा की है. लेकिन सिर्फ यह खबर आते ही कि प्रियंका गांधी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रचार की कमान संभालेंगी, जहां-तहां पड़े कांग्रेसी अपने कुर्तों को कलफ देने लगे हैं. 5 जुलाई को जब नरेंद्र मोदी मंत्रिमंडल का विस्तार हो रहा था, उसी समय इस खबर ने समाचार चैनलों की आधी स्क्रीन पर कब्जा जमा लिया।

कांग्रेस ने आखिरकार किया ठोस फैसला : मोदी सरकार के इतने बड़े जलसे के दौरान बुद्धू बक्से का कांग्रेस और बीजेपी में आधा-आधा बंट जाना सूचना प्रसारण की दुनिया में नया तजुर्बा था। इसकी वजह साफ थी कि डेढ़ दशक की हिचक के बाद कांग्रेस ने आखिर तय कर ही लिया है कि उत्तर प्रदेश में फिर से उभरे बिना देश की राजनीति में डंका बजाना नामुमकिन है। और पार्टी अब उस मुकाम पर पहुंच गई है, जब वह किसी और बुरे वक्त के लिए संजीवनी बूटी बचाकर नहीं रख सकती। क्या है प्रशांत किशोर की रणनीति? ताजा घटनाक्रम की पटकथा तभी से लिखी जा रही है, जब से प्रशांत किशोर को उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव का मैनेजर बनाया गया। करीब तीन महीने पहले से इस तरह की खबरें आने लगी थीं कि प्रशांत किशोर ने फॉर्मूला दिया है कि प्रियंका गांधी कांग्रेस का प्रचार करें और दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाकर पेश किया जाए। उस समय ये बातें हवाई लगती थीं।

पिता चार महीने से ढूंढ रहे थे बेटी को, अस्पताल में मिलकर लिपट गई

इंदौर। जिस बच्ची की चार महीने से कॉलेज के छात्र तीमारदारी कर रहे थे, रविवार को उसके पिता मिल गए। वे भी बेटी की तलाश में भटक रहे थे। बेटी के इंदौर में होने की खबर लगते ही वे अस्पताल पहुंचे तो बीमार बेटी उन्हें देखते ही लिपट गई। मालवीय नगर में रहने वाली श्वेता वर्मा को धोखाधड़ी के मामले में रतलाम पुलिस ने अप्रैल में गिरफ्तार कर लिया था। तभी से उसकी पांच साल की बेटी नैंसी को श्वेता की सहेली राधिका संभाल रही थी। राधिका इंदौर में पढ़ती है। उसने बच्ची की देखभाल के लिए अपने दोस्तों से मदद ली। पीलिया होने से बच्ची हफ्तेभर से अस्पताल में भर्ती है। उसकी देखभाल कॉलेज के छात्र कर रहे थे।इस बीच चाइल्ड लाइन बच्ची के पिता को खोजने के लिए सक्रिय हुई। सभी थानों में बच्ची के बारे में सूचना दी गई तो महू थाने पर नैंसी के संबंध में प्रवीण धमन के आवेदन होने का पता लगा। पुलिस ने बच्ची की जानकारी दी तो वे तुरंत अपनी मां के साथ इंदौर स्थित अस्पताल पहुंचे। बेटी ने भी पिता को पहचान लिया। चाइल्ड लाइन के अविनाश वर्मा ने बताया पिता से सभी दस्तावेज लिए जा रहे हैं। बाल कल्याण समिति के आदेश के बाद बच्ची को पिता के सुपुर्द किया जाएगा।

तेज बारिश से घरों में भरा पानी, गुस्साए रहवासियों ने लगाया जाम

इंदौर। शहर में देर रात तेज बारिश हुई और कुछ ही घंटों में कई इलाकों में घरों अंदर पानी भर गया। सड़कें जलमग्न हो गईं। जूनी इंदौर, महेश नगर, खातीपुरा, हाथीपाला, मूसाखेड़ी, चंदन नगर, खजराना और आजाद नगर सहित कई इलाकों में पानी भर गया है। इसके बाद देर रात ही कुछ बस्तियों को खाली करवाना पड़ा। भमोरी क्षेत्र में बजरंग नगर और मेघदूत नगर में कई घरों में पानी भर गया। रहवासी यहां रात ढाई बजे से परेशान होते रहे और सुबह उन्होंने भमोरी पुलिया पर चक्काजाम कर दिया। खजराना हायर सेंकेंडरी स्कूल परिसर में खजराना तालाब का पानी भर गया। जिसके बाद बच्चे और शिक्षक स्कूल नहीं पहुंचे। देर रात हुई तेज बारिश के बाद कलेक्टर पी नरहरि ने सभी एसडीएम को निर्देश दिए हैं कि वे निगम अधिकारियों के साथ निचली बस्तियों के निरिक्षण कर उचित व्यवस्थाएं करवाएं।

पैंट-शर्ट पहन मॉल में घूमने वाले महामंडलेश्वर को पद से हटाया -

उज्जैन। ब्यूरो। पंच दशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर शैलेषानंद गिरी को पद से हटाकर अखाड़े से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। हाल ही में वे इंदौर के एक शॉपिंग मॉल में पैंट-शर्ट में किसी के साथ घूमते दिखाई दिए थे। मामला संज्ञान में आने पर अखाड़े ने कार्रवाई की है। इसकी पुष्टि अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्रीमहंत नरेंद्र गिरी महाराज ने शुक्रवार को यहां मीडिया से चर्चा में की है। हाल ही में महामंडलेश्वर शैलेषानंद गिरी (शैलेष व्यास) इंदौर के शॉपिंग मॉल (सी-21) में किसी के साथ खरीददारी करते दिखाई पड़े थे। सोशल सहित प्रिंट मीडिया में मामला सामने आने के बाद जूना अखाड़ा और अखाड़ा परिषद ने मामले की तहकीकात की।

इंदौर-भोपाल के कई इलाकों में आयकर विभाग के छापे

इंदौर। आयकर विभाग की इन्वेस्टिगेशन विंग ने इंदौर-भोपाल और मुंबई में करीब 35 ठिकानों पर एक साथ कार्यवाही शुरु की है। मध्यप्रदेश न्यूट्रीशन फूड और श्री कृष्ण देवकान लिमिटेड की करीब एक दर्जन सहयोगी कंपनियों के 35 ठिकानों पर छापे की कार्यवाही चल रही है। इनमें भोपाल में 5 और मुंबई में 4 ठिकानों के अलावा बाकी ठिकाने इंदौर के हैं। करीब 60 अधिकारी 100 पुलिसकर्मियों की मदद से कार्रवाई को अंदाम दिया जा रहा है। कार्यवाही के दौरान संपत्ति और अनियमितता की जानकारी अभी प्राप्त नहीं हो सकी है। लेकिन इसे एक बहुत बड़ी कार्यवाही के रूप में देखा जा रहा है और माना जा रहा है कि इससे किसी बड़े वित्तीय घोटाले का खुलासा हो सकता है।

बारिश से अस्पतालों की व्यवस्था पानी-पानी

इंदौर। लगातार बारिश ने सरकारी अस्पतालों की व्यवस्था पानी-पानी कर दी है। एमवायएच और जिला अस्पताल के कई वार्डों में पानी भर गया। छत से पानी टपकने के कारण कहीं डॉक्टर टेबल-कुर्सी हटाते रहे तो कहीं मरीज पलंग सरकाते रहे। जगह-जगह बाल्टियां रखी थीं। बारिश की शुरुआत में ही अस्पतालों में पानी टपकने की शिकायतें आने लगी थीं। इसके बावजूद अस्पताल प्रशासन गंभीर नहीं हुआ। एमवाय अस्पताल के मुख्य गेट से लेकर ऊपरी वार्डों तक छत से पानी टपक रहा है। लेबर रूम में हालात बेहद खराब हैं। वहीं हड्डी रोग, नेत्र रोग, बर्न यूनिट में भी ऐसी स्थिति है। कई जगह बाल्टी और टब रखे हैं। वहीं दीवारों पर नमी के चलते डॉक्टर संक्रमण का खतरा बता रहे हैं। जिला अस्पताल के बच्चों के वार्ड में फर्श पर पानी जमा है। बाल शक्ति वार्ड की दीवारों से पानी रिस रहा है। शिशु रोग की तरफ से महीनों पहले अस्पताल प्रशासन को मरम्मत करने के लिए पत्र लिखा गया था। आगाह भी किया था कि वार्ड में पानी रहने से करंट फैलने का खतरा रहता है।

सिंहस्थ के प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग सिस्टम को प्रदेश में अपनाने की तैयारी

उज्जैन। सिंहस्थ (2016) के दौरान अपनाए गए प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग सिस्टम को अब पूरे प्रदेश में लागू करने की कवायद की जा रही है। सिंहस्थ में इस सिस्टम के अच्छे परिणाम सामने आए। इस कारण जो भी नए प्रोजेक्ट बनाए जाएंगे, उनकी मॉनीटरिंग इसी के माध्यम से की जाएगी। सिंहस्थ में करीब 4 हजार करोड़ के निर्माण कार्य हुए। इन कार्यों की मॉनीटरिंग के लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट बनाई गई थी। इससे कम्प्यूटर के माध्यम से ही यह पता चल जाता था कि किस विभाग ने किस प्रोजेक्ट पर कितना कार्य किया है। इसी के आधार पर राशि जारी की गई। मप्र राज्य योजना आयोग ने इसी प्रणाली को अपनाने का फैसला किया है। इससे प्रदेश के लिए जितने भी नए प्रोजेक्ट बनेंगे, उनके लिए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट बनाई जाएगी। इस सिलसिले में राज्य स्तर पर बैठकों का सिलसिला शुरू हो चुका है। सिंहस्थ में प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट के सदस्य सुमंत सानिग्रही इसका प्रजेंटेशन भोपाल में दे चुके हैं। राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष बाबूलाल जैन के निर्देश पर एसीएस दीपक खांडेकर इस योजना पर काम कर रहे हैं। इसके लिए मॉनीटरिंग पूल बनाने की तैयारी चल रही है। इससे प्रदेश के हर प्रोजेक्ट की मॉनीटरिंग की जाएगी। प्रोजेक्ट के लिए कितना काम हो चुका है, उसके अनुसार ही राशि स्वीकृत हो सकेगी। काम न होने की स्थिति में पैसा नहीं दिया जाएगा। अभी तैयारी चल रही सिंहस्थ में अपनाए गए प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिस्टम को पूरे प्रदेश के प्रोजेक्ट के लिए अपनाने पर विचार चल रहा है। इसके लिए तैयारी चल रही है। जल्द ही इस पर कोई फैसला होगा। *बाबूलाल जैन, उपाध्यक्ष राज्य योजना आयोग*

अन्य लोगों के जाने के बाद पत्नी रासकुंवर को फोन कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी

अस्पताल कर्मचारियों की मारपीट से युवक की मौत, एक गंभीर

उज्जैन। घासमंडी चौराहे पर स्थित गुरुनानक अस्पताल के कर्मचारियों ने शनिवार को दो युवकों को इतना पीटा की एक की मौत हो गई तथा दूसरे को जिला अस्पताल में भर्ती कराना पढ़ा। अस्पताल से मरीजों को अन्य अस्पतालों में ले जाने व बच्चा चोरी का आरोप लगाकर मारपीट की गई थी। मामले में युवा कांग्रेस ने एसपी कार्यालय के बाहर धरना देकर ज्ञापन दिया। वहीं अस्पताल के बाहर भी हंगामा हुआ।

संचालक सहित अस्पतालकर्मियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया जा रहा है। पुलिस ने 5-6 लोगों को हिरासत में ले लिया है।

पुलिस ने बताया कि उदयसिंह पिता मेहराबानसिंह राणा (28) निवासी ग्राम बंबोरी घट्टिया हाल मुकाम नागझिरी को शनिवार को गुरुनानक अस्पताल के मुरली पाटीदार ने फोन करके अस्पताल बुलाया था।

मुरली व उदय ने कुछ समय पूर्व एक अन्य निजी अस्पताल में साथ नौकरी की थी। इसके अलावा वह ग्रामीणों को उपचार के लिए अस्पताल भी ले जाता है। उदय के गुरुनानक अस्पताल पहुंचने पर मुरली उसे तलघर ले गया था। जहां एक अन्य व्यक्ति गोपाल पिता मोहनलाल शर्मा निवासी चंद्रावतीगंज घायल अवस्था में पढ़ा हुआ था।

मुरली ने गोपाल से पूछा यहीं राणा है न, गोपाल के हां कहने के बाद मुरली व 5-7 अन्य अस्पतालकर्मियों ने पाइप, लट्ठ से मारपीट शुरू कर दी। इससे उदय को गंभीर चोट आई। उदय का कहना है कि अस्पतालकर्मियों को शंका थी कि वह मरीजों को अन्य अस्पतालों में ले जाता है। वहीं उस पर बच्चा चोरी करने के लिए गोपाल को एक हजार रुपए देकर भेजने का आरोप भी लगाया था, जबकि वह गोपाल को नहीं पहचानता है।

पत्नी को दी फोन पर दी घटना की सूचना उदय के अनुसार उसने मुरली व अन्य लोगों के जाने के बाद पत्नी रासकुंवर को फोन कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। इस पर मेरे परिचित वीरेंद्रसिंह, देवीसिंह, अशोक प्रजापत सहित अन्य अस्पताल पहुंचे और उसे तलघर से छुड़वाकर जिला अस्पताल उपचार के लिए लेकर आए। गोपाल हिचकी लेकर हो गया था बेहोश उदय ने बताया कि गोपाल शर्मा ने मुरली व अन्य लोगों के जाने के बाद कहा था कि ये लोग जो बोलते हैं हां कर लो मुझे कल से मार रहे हैं। इसके बाद गोपाल हिचकी लेकर बेहोश हो गया था। उदय के शोर मचाने पर मुरली व अन्य लोग उसे अस्पताल में ऊपरी तल पर ले गए थे। रविवार को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजन को सौंप दिया।

इधर, अस्पतालकर्मियों की मारपीट से गोपाल की मौत के बाद हंगामा मच गया। युवा कांग्रेस के लोकसभा अध्यक्ष हेमंत चौहान व अन्य लोगों ने पुलिस कंट्रोल रूम पहुंचकर धरना दे दिया। यहां सीएसपी सतीश समाधिया को ज्ञापन सौंपकर अस्पताल संचालकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। चौहान ने आरोप लगाए कि अस्पताल संचालक डॉ. घनश्याम जेठवानी, डॉ.उमेश जेठवानी व मुकेश जेठवानी ने भी गोपाल के साथ मारपीट की थी। उनके खिलाफ भी केस दर्ज किया जाए।

इसके बाद सभी लोग गुरुनानक अस्पताल पहुंचे तथा जमकर नारेबाजी की। इस पर कर्मचारियों ने अस्पताल की शटर गिरा दी। मौके पर सीएसपी समाधिया, टीआई एमएस परमार व पुलिस बल मौके पर पहुंचा। समझाइश के बाद सभी वहां से रवाना हो गए।

इनका कहना है गुरुनानक अस्पताल में युवक की मौत के मामले में जांच की जा रही है। आरोपी अस्पतालकर्मियों व संचालकों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया जाएगा।

एमएस वर्मा, एसपी उज्जैन

बीमारियों की रोकथाम की पुख्ता व्यवस्था करें

प्रभावित क्षेत्रों में सर्वे कार्य शुरू, मुख्यमंत्री श्री चौहान ने की समीक्षा

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने निर्देश दिये है कि वर्षा प्रभावित क्षेत्रों में जलजनित बीमारियों के रोकथाम की पुख्ता व्यवस्था करें तथा इन क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर लगायें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने यहाँ प्रदेश में वर्षा से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। बताया गया कि प्रदेश में अति वर्षा से प्रभावित क्षेत्र में नुकसान का सर्वे कार्य शुरू हो गया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में पेयजल के नमूनों की जाँच करें। यह सुनिश्चित करें कि कही भी दूषित पेयजल से बीमारियाँ नहीं फैले। प्रभावित क्षेत्रों में पर्याप्त दवाइयाँ उपलब्ध रहें। अति वर्षा से हुए नुकसान का प्रतिवेदन शीघ्र केंद्र सरकार को भेजें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने छिंदवाड़ा जिले का परासिया पुल टूटने से ग्राम बेलगाँव में फँसे दस लोगों को निकालने की त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिये। बैठक में बताया गया कि अति वर्षा से प्रभावित क्षेत्रों में सर्वे का कार्य शुरू हो गया है। अति वर्षा से प्रदेश के 21 जिले प्रभावित हुए हैं। प्रदेश में अब तक अति वर्षा से 22 लोगों की मृत्यु हुई है। इसमें भोपाल में 5, विदिशा में 3, दमोह में 5, रायसेन, रीवा, सागर, मंडला, टीकमगढ़, दमोह, सिवनी, सीहोर तथा आगर मालवा में एक-एक व्यक्ति शामिल है। प्रदेश में अति वर्षा से प्रभावित आबादी 3 लाख 46 हजार है। अति वर्षा से 2500 मकान पूर्णत: तथा 18 हजार मकान आंशिक रूप से प्रभावित हुए हैं। बताया गया कि कल विदिशा में 1600 लोगों को बचाया गया। इसे मिलाकर प्रदेश में अब तक आपदा प्रबंधन दलों द्वारा साढ़े 7 हजार लोगों को बचाया जा चुका है।

बैठक में मुख्य सचिव श्री अन्टोनी डिसा, पुलिस महानिदेशक श्री ऋषि कुमार शुक्ला, अपर मुख्य सचिव गृह श्री बी.पी. सिंह, अपर मुख्य सचिव जल संसाधन श्री आर.एस. जुलानिया, अपर मुख्य सचिव नर्मदा घाटी विकास श्री रजनीश वैश, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री ए.पी. श्रीवास्तव, प्रमुख सचिव राजस्व श्री के. के. सिंह, प्रमुख सचिव नगरीय विकास श्री मलय श्रीवास्तव, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस और श्री एस. के. मिश्रा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

नालों को चेनेलाइज करने का मास्टर प्लान शीघ्र

भोपाल। सहकारिता, गैस राहत पुनर्वास (स्वतंत्र प्रभार) एवं पंचायत ग्रामीण विकास राज्य मंत्री श्री विश्वास सारंग ने लगातार तीसरे दिन पुराने भोपाल में अति वृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणा के अनुरूप नालों को चेनेलाइज करने का मास्टर प्लान वर्ष 2016 की बारिश के आधार पर बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि आवश्यकता होने पर राहत शिविर और खोले जाएंगे। राज्य मंत्री श्री विश्वास सारंग ने सुबह अन्त्योदय नगर, विकास नगर, अन्ना नगर, पुराना नगर और बैंक कालोनी पहुँचे। श्री सारंग ने प्रभावित बस्तियों का दौरा कर पीड़ितों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की घोषणा के अमल में सभी प्रभावित क्षेत्रों और वहाँ के रहवासियों का सर्वे होगा। इसके आधार पर राहत देने का कार्य शुरू किया जायेगा। उन्होंने अधिकारियों से शीघ्र ही ड्रेनेज सिस्टम और नालों को चेनेलाइज करने का मास्टर प्लान बनाने को कहा। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में राहत शिविर खोलने के निर्देश भी दिये।

किसानों को स्थाई कनेक्शन देने की गति तेज करें

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों के अस्थाई पम्प कनेक्शन को स्थाई कनेक्शन में बदलने की प्रस्तावित नवीन योजना की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि किसानों के व्यापक हितों के लिये राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री चौहान के समक्ष मंत्रालय में ऊर्जा विभाग के अधिकारियों के द्वारा स्थाई पंप कनेक्शन देने की योजना का प्रस्तुतिकरण किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि कृषि को लाभ का धंधा बनाने के लिये हर संभव उपाय किये जायेंगे। इससे किसान खुशहाल होंगे। इसके लिये उन्होंने स्थाई पंप कनेक्शन देने की प्रक्रिया और तेज करने के निर्देश दिये हैं। बैठक में बताया गया कि पिछले वर्ष 4 लाख 48 हजार अस्थाई कनेक्शन प्रदाय किये गये हैं। प्रदेश में अभी 22 लाख स्थाई पंप कनेक्शन हैं। कुल 5 लाख अस्थाई कनेक्शन है, जिन्हें आगामी वर्षों में स्थाई किया जाना है। इस मौके पर स्थाई पंप कनेक्शन में किसानों के अंशदान आदि के संबंध में भी चर्चा हुई। साथ ही भारत शासन की उदय योजना का भी प्रस्तुतिकरण किया गया। इस दौरान मुख्य सचिव श्री अंटोनी डिसा, अपर मुख्य सचिव वित्त श्री ए.पी. श्रीवास्तव, अपर मुख्य सचिव वन श्री दीपक खाण्डेकर, प्रमुख सचिव ऊर्जा श्री आई.सी.पी. केशरी, प्रमुख सचिव कृषि श्री राजेश राजौरा और सचिव मुख्यमंत्री श्री विवेक अग्रवाल उपस्थित थे।

जी.पी.एफ. वार्षिक लेखा विवरण 17 जुलाई से दिखेंगे वेबसाइट पर

भोपाल। महालेखाकार कार्यालय ने मध्यप्रदेश राज्य के अधिकारी-कर्मचारियों के सामान्य भविष्य निधि लेखाओं के वर्ष 2015-16 के वार्षिक लेखा विवरण कार्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिये हैं। अभिदाता 17 जुलाई, 2016 के बाद वेबसाइट www.agmp.nic.in और www.agmp.cag.gov.in पर लेखा विवरण देख सकेंगे। इसके लिए अभिदाता को अपनी सीरीज प्रविष्ट करने के बाद एकाउन्ट नम्बर कालम में सामान्य भविष्य निधि लेखा क्रमांक और पासवर्ड प्रविष्ट करना होगा। लेखा विवरणों में किसी विसंगति के ऑनलाइन सुधार के लिए अथवा अन्य शिकायत के लिए अभिदाता सत्यापित विवरण सहित वेबसाइट पर एकाउन्टेन्ट जनरल (ए एण्ड ई)-2 में ऑनलाईन ग्रीवेन्स रीड्रेसल खोलकर लॉडज यूअर ग्रीवेन्स ऑनलाइन में अपनी शिकायत दर्ज कर सकेंगे। शिकायत का निराकरण महालेखाकार की निगरानी में एक माह के अन्दर किया जायेगा। अभिदाता अपनी शिकायत दूरभाष क्रमांक 0751-2317359 और 2432457 पर भी कर सकेंगे। सामान्य भविष्य निधि से संबंधित प्राय: पूछे जाने वाले प्रश्न एफ.ए.क्यू. आवश्यक आवेदन प्रारूप और अन्य फार्म भी वेबसाइट पर उपलब्ध है। अभिदाता अपनी समस्याओं के जल्द निराकरण के लिये इस सेवा का लाभ ले सकते हैं।

व्यवस्था

नदी-नालों में बसे लोगों के सुरक्षित जगह में रहने की व्यवस्था होगी

अति वृष्टि से निपटने की व्यवस्थाएँ चौबीस घंटे रहे मुस्तैद

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश में अति वृष्टि और बाढ़ की स्थिति की वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा की। उन्होंने स्थिति पर सतत नजर रखने और सभी जरूरी व्यवस्थाएँ 24 घंटे मुस्तैद रहने के निर्देश दिये। साथ ही प्रभावितों के रहने और भोजन की व्यवस्था अस्थायी शिविरों में करने तथा शुद्ध पेयजल और बीमारियों से बचाव की व्यवस्था करने के निर्देश दिये। इस मौके पर राजस्व मंत्री श्री उमाशंकर गुप्ता भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में अति वृष्टि से उत्पन्न स्थिति की जिलेवार जानकारी ली। बताया गया कि प्रदेश में स्थिति नियंत्रण में है और तेजी से सामान्य हो रही है। श्री चौहान ने सभी जिला कलेक्टरों को अति वृष्टि से निपटने में सभी तरह की सतर्कता बरतने और आगे की स्थिति पर नजर रखने के निर्देश दिये। उन्होंने अति वृष्टि से प्रभावित क्षेत्र का सर्वे कर नुकसानी का आंकलन कर राहत राशि मुहैया करवाने के निर्देश दिये। लोक स्वास्थ्य और स्थानीय शासन विभाग को युद्ध स्तर पर बीमारियों पर नियंत्रण, जरूरी दवाईयों की व्यवस्था तथा शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं।

मुख्यमंत्री ने कंट्रोल रूम 24 घंटे कार्यरत रहने तथा लोगों के फोन आने पर त्वरित जरूरी कार्रवाई करने के निर्देश दिये। उन्होंने कंट्रोल रूम में आने वाले फोन और की गयी कार्रवाई की जानकारी भी ली। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ में अपनी सेवाएँ देने वाले प्रशिक्षित होमगार्ड के जवानों को फिर से काम पर रखने का फैसला किया गया है ताकि बाढ़े और अति वृष्टि की परिस्थितियों से कारगर ढंग से निपटने में उनकी सेवाएँ ली जा सकें। उन्होंने नदी-नालों के किनारे बने वाटर फिल्टर प्लांट को हमेशा खतरे के निशान से ऊपर स्थापित करने के निर्देश दिये।

मुख्यमंत्री ने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह को उन्होंने प्रदेश में अति वृष्टि से उत्पन्न स्थिति से दूरभाष पर अवगत करवाया है। साथ ही प्रधानमंत्री कार्यालय और रेल लाइनों की स्थिति के संबंध में रेल मंत्री श्री सुरेश प्रभु को भी पत्र के माध्यम से अवगत करवायेंगे।

श्री चौहान ने कहा कि जिन गरीब लोगों का अनाज और राशन सामग्री वर्षा से खराब हो गयी है, उन्हें सस्ता अनाज उपलब्ध करवाया जायेगा। जो लोग नदी-नालों में रह रहे हैं उनकी अभी अस्थायी व्यवस्था की जायेगी। बाद में उनके रहने की स्थायी व्यवस्था करने पर विचार किया जायेगा। उन्होंने कहा कि सरकार आपदा पीड़ित लोगों के साथ है। उनकी हरसंभव मदद की जायेगी।

इस अवसर पर बताया गया कि रीवा एवं सागर संभाग में स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। भोपाल संभाग में भी स्थिति तेजी से सामान्य हो रही है। विदिशा एवं रायसेन जिले के कुछ मार्गों में पानी भरा है जो तेजी से कम हो रहा है। नर्मदा भी खतरे के निशान से नीचे है तथा प्रदेश के अन्य जिलों में स्थिति सामान्य है। उन्होंने बताया कि अति वृष्टि एवं बाढ़ से पिछले 24 घंटे में प्रदेश में 7 व्यक्ति की मृत्यु एवं रीवा संभाग में 3 व्यक्ति के बह जाने की जानकारी मिली है। प्रदेश में आपदा प्रबंधन दल पूरी तरह मुस्तैद है। दल द्वारा चार हजार से ज्यादा लोगों को बचाकर सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया गया है। बैठक में मुख्य सचिव श्री अन्टोनी डिसा, पुलिस महानिदेशक श्री ऋषि कुमार शुक्ला, पुलिस महानिदेशक आपदा प्रबंधन श्री मैथिलीशरण गुप्त, अपर मुख्य सचिव गृह श्री बी.पी.सिंह, अपर मुख्य सचिव नर्मदा घाटी श्री रजनीश वैश्य, अपर मुख्य सचिव जल संसाधन श्री राधेश्याम जुलानिया, प्रमुख सचिव राजस्व श्री के.के.सिंह, प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री श्री इकबाल सिंह बैंस एवं श्री एस.के. मिश्रा, प्रमुख सचिव नगरीय विकास श्री मलय श्रीवास्तव और सचिव मुख्यमंत्री श्री विवेक अग्रवाल उपस्थित थे।

सम्पादकीय

आपदा के बाद जागी सरकार

इस साल (2016) की शुरुआती बारिश ने भोपाल का हाल बुरा कर दिया ऐसा लगा जैसे पूरा शहर ताल बन गया हो। भोपाल व प्रदेश की जनता यह सोचने पर मजबूर हो गयी की राजधानी का यह हाल हैं तो बाकी जिलों का क्या होगा। जबकि सर्वे टीम ने पहले ही भयावह परिस्तिथी से आगाह किया था, परन्तु सरकारी तंत्र सोता ही रहा और पूरा भोपाल पानी पानी हो गया ।

पूरी घटना से जो मुख्य बात सामने आई वह, यह की नालों के पानी हेतु सही निकासी न होना व कई जगह नालों पर अतिक्रमण एवं गलत/अवैध निर्माणों की परमिशन दी जाना । अक्सर आपदा आने के बाद ही क्यों प्रशासन जगता हैं ? क्यों सरकार को अधिकारियों की लापरवाही पहले नहीं दिखाई देती? क्यों ये आला अधिकारी जनता की जान से खिलवा करते हैं? क्यों आपदा आने पर ही नेता लोग क्षेत्र का दौरा करते हैं और बाद मे समीक्षा बैठके होती हैं? एक तरफ तो हम भोपाल को स्मार्ट सिटी वाले शहरों में नाम जो रहे हैं । क्या स्मार्ट सिटी बनाने की सिर्फ बाते हैं ?

आज भी हमारे प्रदेश मे कई जगहों पर पहाड़ों को काट कर अवैध उत्खनन जारी हैं। कुछ ही दिनों पहले ये खबर हर अखबार में थी जिसमें 'विधायकों के नए आवास हेतु पेड़ों की गलत कटाई' शीर्षक प्रमुखता से छपा था।

बरसात मे अक्सर पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन और बादल फटने की वजह से भारी जान-माल का नुकसान अब जैसे हर साल की बात हो गई है। इसकी वजहें भी जाहिर हैं। मगर विचित्र है कि इस समस्या से पार पाने की दिशा में उल्लेखनीय कदम नहीं उठाए जा रहे। अभी मानसून के शुरुआती दौर में ही एक बार फिर उत्तराखंड में बादल फटने से भारी नुकसान हो गया। अरुणाचल में भी भूस्खलन से दस से 'यादा लोगों की जान चली गई और अनेक लोगों को बेघर हो गए। ऐसी तबाही हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भी कई बार हो चुकी है। मगर सबसे अधिक खतरा उत्तराखंड के पहाड़ों पर बना रहता है। पिछली बार जब केदारनाथ में भारी तबाही हुई थी, तब तमाम अध्ययनों के बाद चेतावनी दी गई थी कि अगर पहाड़ों की गलत व अत्याधिक कटाई और नदियों के बेवजह दोहन पर रोक नहीं लगाई गई तो नतीजे भयावह होंगे। मगर सरकारें विकास परियोजनाएं लगाने के तर्क पर प्राकृतिक आपदा के खतरों को नजरअंदाज करती रही हैं। बिजली परियोजनाओं और पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के नाम पर होटल, मोटेल, मनोरंजन पार्क, सड़कों आदि के निर्माण के लिए पहाड़ों को काटने-छेदने से परहेज नहीं किया जा रहा। जहां भी ऐसी गतिविधियां चल रही हैं, वहां पहा खोखले और जर्जर हो रहे हैं। जरा भी तेज बरसात या भूकंप के झटके में उनकी मिट्टी और पत्थर खिसक कर रिहाइशी इलाकों में तबाही का कारण बनते हैं। कुछ अध्ययनों से यह भी जाहिर हो चुका है कि संचार सुविधाओं के लिए लगे टावरों से निकलने वाली तरंगों की वजह से बादलों का संतुलन बिगड़ता है और वे अचानक फट कर संकट पैदा कर देते हैं। पहाड़ों पर बाहरी लोगों के लिए जमीन की खरीद-बिक्री को लेकर सख्त नियम-कायदे हैं, पर पर्यटन और विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के नाम पर इनमें ढील दे दी जाती है। जब तक पहाड़ों पर गलत व अत्याधिक रूप से चलाई जा रही गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उपाय नहीं होंगे, ऐसी आपदा से पार पाना मुश्किल बना रहेगा। हर जगह अब सड़कों का सीमेंटीकरण हो गया हैं, जिससे पानी जमीनों मे जा ही नहीं पा रहा जिसका खामियाजा जनता को गर्मियों मे झेलना पड़ता हैं।

मुख्यमंत्री जी से गुजारिश है पहले जो मौजूदा विभागों/मंत्रालयों की कार्यप्रणाली है उनको ठीक करे साथ ही गरीबों को आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाए और उनकी खुशी पर ध्यान दें, फिर 'हैप्पीनेस मंत्रालय' चालू करे।

- पराग वराडपांडे

पर्यटन विकास की दिशा में नई पहल

मध्यप्रदेश, देश-विदेश के सैलानियों के लिए स्वाभाविक आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। प्रदेश को कुदरत ने पर्यटन-स्थल के रूप में नायाब तोहफे विविधता के साथ प्रदान किये हैं। देश का हृदय मध्यप्रदेश पर्यटन के नजरिए से बेजोड़ है। हालांकि देश के विभिन्न राज्य अपनी विविध प्राकृतिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से बहुतेरे दर्शनीय स्थलों का आकर्षण सँजोए हुए हैं लेकिन मध्यप्रदेश के दर्शनीय स्थलों का आकर्षण सैलानियों को बरबस अपनी ओर खींच लाता है।

मध्यप्रदेश में इस साल 'वाटर टूरिज्म' की दिशा में अभिनव पहल की शुरूआत की जा रही है। खण्डवा जिले में स्थित इंदिरा सागर बाँध के हनुवंतिया टापू पर आगामी 12 से 21 फरवरी 2016 तक 'जल-महोत्सव' के आयोजन के रूप में पर्यटक वाटर टूरिज्म का लुत्फ उठा सकेंगे। जल-महोत्सव के सुरुचिपूर्ण और रोमांचक आयोजन को सफल बनाने की दिशा में राज्य सरकार द्वारा सभी जरूरी पहल की जा रही है। निश्चित ही जल-महोत्सव से न केवल पर्यटन के नये क्षेत्र खुलेंगे बल्कि मध्यप्रदेश में वाटर-टूरिज्म का नया अध्याय प्रारम्भ हो सकेगा।

इन्दिरा सागर में वाटर क्रुज के आने के बाद प्रदेश का यह छठवाँ क्रुज है। मध्यप्रदेश के अतिरिक्त अन्य किसी प्रदेश में भू-जलाशय में इतने क्रुज नहीं है। प्रदेश के लिए यह गर्व का विषय है कि इन्दिरा सागर, खण्डवा में क्रुज के नियमित प्रारंभ होते ही मध्यप्रदेश भू-जलाशय पर क्रूज पर्यटन के मामले में देश में अग्रणी स्थान पर आ जायेगा। यह सुखद संयोग है कि प्राकृतिक रूप से समृद्ध मध्यप्रदेश में इंदिरा सागर बाँध जैसी विपुल जल-राशि है। इसके अतिरिक्त बरगी, गाँधी सागर, तवा, बाण-सागर जैसे बड़े बाँध भी वॉटर टूरिज्म को बढ़ावा देने और सैलानियों को आकर्षित करने के लिये मौजूद हैं। प्रदेश के विशाल भू-भाग में वन्य क्षेत्र नर्मदा, चंबल, बेतवा, केन नदियाँ एवं विशाल जलाशय, नैसर्गिक सौंदर्य, वन्य-प्राणियों की बड़ी तादाद, पुरातात्विक एवं ऐतिहासिक महत्व के स्थल तथा धार्मिक आस्था के पुरातन केन्द्र सभी कुछ तो है हमारे प्रदेश में।

पुरस्कार-प्रशंसा: पर्यटन के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रदेश को एक साथ 6 राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया है। राष्ट्रीय महत्व के प्रतिष्ठापूर्ण पुरस्कार राष्ट्रपति श्री प्रणब मुखर्जी ने नई दिल्ली में प्रदान किये। पर्यटन के समग्र विकास के लिए मध्यप्रदेश को द्वितीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ विरासत शहर का पुरस्कार ग्वालियर को मिला। बी. श्रेणी के पर्यटक स्थलों में जन-सुविधा प्रबंधन में खरगोन जिले की महेश्वर नगर परिषद को पहला, पर्यटकों के लिए अनुकूल रेलवे स्टेशन का पुरस्कार हबीबगंज को, बेस्ट मेंटेन्ड डिसेबल्ड फ्रेंडली मान्यूमेंट भोजपुर के शिव मंदिर को, मोस्ट इनोवेटिव एण्ड यूनिक टूरिज्म प्रोजेक्ट का गौरव पर्यटन विकास निगम की इकाई 'सैर-सपाटा' भोपाल को हासिल हुआ है। पर्यटन के क्षेत्र में इस वर्ष पर्यटन के अनुकूल वेबसाइट और उत्कृष्ट पारिस्थितिकी पर्यटन स्थल होने के दो राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार और मिले। पर्यटन विकास निगम द्वारा पर्यटन के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर निजी क्षेत्रों से भी सराहना प्राप्त हो रही है। टुडेज ट्रेवलर अवार्डस, 2015 में मध्यप्रदेश को पर्यटन के क्षेत्र में सराहनीय कार्य के लिए ''मोस्ट प्रोग्रेसिव स्टेट'' का पुरस्कार प्रदान किया गया है। प्रदेश में निवेशकों को आकर्षित करने हेतु पर्यटन नीति 2012 (यथा संशोधित 2014) लागू है। इसके जरिये भूमि को जन-निजी भागीदारी के तहत निजी निवेशकों को दिये जाने की कार्यवाही की जा रही है। निजी निवेश को बढ़ावा दिये जाने के लिए प्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर लगभग 370 हेक्टेयर भूमि का लेण्ड बैंक स्थापित किया गया है। वर्तमान में इंदिरा सागर जलाशय एवं फेफरिया खुर्द आईलेण्ड, मेंहदीखेड़ा जिला धार, माण्डू एवं ढ़कना-चपना, निनोद तथा साँची जिला रायसेन में स्थित जमीन को निजी क्षेत्र को दिये जाने की कार्यवाही प्रचलन में है।

उज्जैन के
विज्ञापन एवं समाचार हेतु
सम्पर्क करें:
मुकेश शर्मा, 9425093901

SAAP SOLUTION
(Wanted Dealer for Bhopal - Product Apna GPS System)
Explore New Digital World
All Types of Website Designing
Business Promotion, Lease Website
Industrial Product Promotion through industrialproduct.in
Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
Logo Designing by Experts
Bulk SMS Services
For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

गैस्ट्रिक प्रॉब्लम या एसिडिटी को कहे बाय बाय

एसिडिटी आजकल की एक आम समस्या है यह सभी उम्र के लोगो मै देखी जा रही है जिसका श्रेय हमारी बिगड़ती हुई जीवन शैली को जाता है आइए इससे निजात पाने के उपाय समझ लेते है: -

1) सबसे पहले ये ध्यान रखे की खाली पेट न रहे व नियमित अंतराल से खाना खाये (2-3 घंटे के अंतराल से) घर मै बना हुआ खाना ज्यादा से ज्यादा उपयोग मै लाए बाहर जाते समय अपने साथ मेवे, चना, मुरमुरा, फल रखे एवं भूक लगने पे ग्रहण करे अथवा बाहर के खाने से बचें।

2) हींग- सभी प्रकार की दालो एवं बीन्स जैसे राजमा, छोले इत्यादि को पकाते समय उसमे हींग जरूर डाले इससे बनने वाली गैस को कम किया जा सकते है।

3) एसिडिटी मै ताजे दही का मठा या ठंडा दूध इलाइची के साथ ले ने से 5-10 मिनिट में आराम मिल जाता है।

4) अगर आपको कई दिनों से एसिडिटी की शिकायत है तो रोज दिन मै तीन छोटी इलाइची (सुबह ,दोपहर और शाम) का नियमित सेवन करने से लाभ मिलेगा।

5) चाय का सेवन कम से कम करे चाय बनते समय उसमे अदरक और इलाइची डालना न भूले इससे होने वाली एसिडिटी को कम किया जा सकता है

6) रात मै खाना खाते समय ध्यान रखे-

* भारी दालें जैसे तुअर दाल/ उड़द दाल /राजमा/मटर /छोले आदि का इस्तेमाल रात के समय कम से कम करे व हलकी दाल जैसे मूंग दाल/ लाल मसूर दाल आदि का उपयोग करे।

* सब्जियां जिनमे सल्फर पाया जाता है जैसे गोभी/पत्तागोभी/मूली/शिमला मिर्च आदि का उपयोग रात के समय कम करे व अगर करे तो सब्जी को जितना ढाक के पकाते है उतना ही खोल के भी पकए जिससे हाइड्रोजन सल्फाइड गैस के रूप मै सल्फर निकल जाये।

* चावल का सेवन रात के समय कम करे एवं दिन के खाने मैं ही करे जिससे रात मैं पेट फूलने जैसी तकलीफ को दूर किया जा सके।

7) अनाज जैसे गेहू मक्का/जवार/ बाजरा का उपयोग दलिया रोटी मिस्सी रोटी जवर रोटी बाजरा रोटी आदि के रूप मै करे तला हुआ अनाज जैसे पूरी पराठा पकोड़े के रूप मै कम करे।

8) फलों का सेवन सुबह के समय करना लाभकारी होता है फलों के जूस के बजाये रेशे सहित फल लेना चाहिए एवं रात के समय कम उपयोग मैं लाये।

9) खाना खाने के बीच बीच मैं एवं तुरंत खाने के बाद पानी न पिए इससे एकदम से पेट फूलने की शिकायत होती है इसलिए खाना खाने के 1/2 से 1 घंटे के बाद ही पानी पिये।

हर्षा भटनागर
(रजिस्टर्ड डायटीशियन)

10) बाजार मैं मिलने वाले तले व् मसालेदार खाद्य पदार्थ जैसे चिप्स ,नमकीन, बिस्किट ,फ्राइड नॉनवेज /पकोड़े /समोसे/ कचौड़ी एवं खट्टी चीजें जैसे चाट फ़ुल्की जो की केमिकल्स, मसालो आदि से भर पूर है के रोज सेवन करना एसिडिटी को जनम देता है बाहर के खाद्य पदार्थो का सेवन कम करे।

11) रोज अपने लिए 30 मिनिट का समय निकाले जिसमे आप अपनी पसंद का काम करे जैसे व्यायाम, घूमना, पेंटिंग करना, गाने सुनना आदि जिससे आपका मन प्रसन्न रहे और किसी तरह का भी तनाव आपको हानि न पंहुचा सके।

12) खाना खाने के बाद सौंफ जरूर खाये यदि कुछ दांतों में तकलीफ हो तो सौंफ को भिगो के उसके पानी का सेवन करे लाभ मिलेगा।

मानसून मैं आहार सम्बन्धी निम्न बातों का ध्यान रखे जिससे सुरक्षा कवच बनाए रखा जाये

1) खाना खाने से पहले एवं बाहरी वातावरण से घर मैं आने के बाद हाथ अच्छी तरह से धोएं एवं साफ टॉवल से पोछे।

2) जितना संभव हो सके गरम खाना ही खाये व् फ्रिज मैं रख हुआ बासा खाना न खायें अर्थात उतना ही पकाएं जितना जरुरी हो क्योंकि फ्रिज मैं निकलने वाली किरणे खाने के पोषाक तत्वों को नष्ट कर देती है।

3) सब्जी व फल खरीदते समाये ध्यान रखे की वो ताजी हो, पत्तियां हरी हो गली न हो,मिटटी न लगी हो और कीड़े वाली न हो।

4) सब्जियों और फलों को उपयोग में लाने से पहले अच्छी तरह कुनकुने पानी से धोना चाहिए उसके बाद ही उसे छिलका उतार के उपयोग मैं लाना चाहिए जिससे गन्दगी व कीटाणु साफ हो जाये और उससे होने वाली बीमारी जैसे दस्त, उलटी, पेट दर्द व गैस से बचा जा सके।

5) गोभी, पालक पत्तागोभी जैसी सब्जियों को नमक और हल्दी डालके तेज गरम पानी से निकाल के ही उपयोग मैं लाना चाहिए जिससे उन्हें कीटाणु रहित बनाया जा सके इस प्रक्रिया को ब्लैंचिंग कहते है।

6) खाना बनाते समय लहसुन, अदरक, कालीमिर्च, हींग, लौंग, हल्दी का समावेश जरूर करे जिससे शरीर की रोगप्रतिरोधक शमता को बनाए रखा जाये।

7) खाने मैं सभी दालों, अंकुरित दालों जिसमें अंकुर 1 सेंटीमीटर बड़ा हो, दूध एवं दही से बने पदार्थ, अंडा आदि का समावेश करे इनमें प्रोटीन्स होते है जो हमे रोगों से लड़ने की ताकत देते है।

8) सुबह उठ के दो से तीन तुलसी के पत्ते अच्छी तरह चबाए व एक गिलास पानी पिए.पानी पीते हुए ध्यान रखे की वो साफ हो, साफ गिलास का उपयोग करे। बाहर जाते समय अपने साथ घर का साफ पानी ले जाए दूषित पानी बहुत बीमारी को जन्म देता है उससे बचें।

9) बाहर घूमने जाते समय बाहर के दूषित खाने से बचें जैसे चाट, फुल्की, आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक आदि कोशिश करे ऐसी जगह खाये जहां साफ सफाई हो खाना

ढका हो और जहाँ जल्दी जल्दी खाना उपयोग में लाया जाता हो।

10) खाना हमेशा शांत वातावरण, शांत दिमाग एवं बिना टीवी देखे खाये और उतना ही परोसे जितना आप ग्रहण कर सके। थाली में सभी पोषक तत्वों को जगह दे जैसे कार्बोहायड्रेट , प्रोटीन्स , फैट्स, विटामिन्स और मिनरल्स।

नोट: हमारे रजिस्टर्ड आहार विशेषज्ञ से सलाह हेतु लिखे

Email: editor@trikaldrishti.com

सोनोग्राफी में भी सुनहरा करियर

मेडिकल का दायरा सिर्फ डाक्टर या नर्स तक सीमित नही है, इसमें कई लोग जुड़े होते हैं , जिनकी भूमिका अहम होती है। उन्हीं में एक है रेडियोलॉजी टेक्नीशियन। दरअसल किसी भी बीमारी के सफल और सही इलाज के लिए पहले बीमारी की पहचान बेहद जरूरी है। बीमारी की पहचान के लिए कई बार मरीज के अंदरूनी हिस्सों की जांच की जाती है, जिसे रेडियोलॉजी कहा जाता है। रेडियोलॉजी को दो भागों में बांटा गया है। पहला डाइग्नोस्टिक रेडियोलॉजी और दूसरा थेराप्यूटिक रेडियोलॉजी। रेडियोलॉजी चिकित्सा विज्ञान की हाइटेक शाखा है, जो विभिन्न रोगों, शारीरिक गड़बड़ियों की पहचान और उपचार में मदद करती है।

जब जाना हो फॉर्मल पार्टी में, तो पहले टेबल एटिकेट्स जान लें

सोनोग्राफी रेडियोलॉजी की एक ब्रांच है। इसका उपयोग शरीर के विभिन्न अंगों मसलन छाती, दिल, पेट आदि में जांच करने के लिए प्रयोग में लाई जाती है। गर्भस्थ शिशु की सभी प्रक्रियाओं की जानकारी सोनोग्राफी के माध्यम से जान सकते हैं। यदि किसी में शरीर के भीतर चल रही प्रक्रियाओं को जानने की इच्छा है और इसमें करियर भी बनाना चाहता है, तो सोनोग्राफी उपयुक्त विकल्प है। प्रत्येक हॉस्पिटल में इससे संबंधित कार्य होने की वजह से इनकी काफी मांग है। ब्यूरो ऑफ लेबर स्टेटिक्स के अनुसार, इस क्षेत्र में 2016 तक 19 प्रतिशत ग्रोथ की संभावना है। वर्तमान में ट्रेंड प्रोफेशनल की काफी कमी है। इस प्रकार यदि भविष्य के लिहाज से देखा जाए, तो इस क्षेत्र में करियर काफी ब्राइट है।

योग्यता

सोनोग्राफी से संबंधित कोर्स में एडमिशन के लिए भौतिक, रसायन और जीव विज्ञान में 50 प्रतिशत अंकों के साथ बारहवीं पास होना जरूरी है। यदि इन तीनों विषयों को मिलाकर पचास प्रतिशत अंक हैं, तो आप इस कोर्स को कर सकते हैं।

अब इस तरह करें आईएएस प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी की रणनीति

क्वॉलिटीज

एक सोनोग्राफर को अस्पताल की विभिन्न जगहों मसलन ऑपरेशन थियेटर, इंटेसिव केयर यूनिट में डॉक्टरों व नर्सों के साथ काम करना होता है। इस कारण धैर्य होना बहुत जरूरी है। सोनोग्राफर इमरजेंसी केसों में एक अहम् भूमिका निभाते हैं। साथ ही एक सोनोग्राफर में काम के प्रति लगन, शांत स्वभाव एवं आत्मविश्वास का होना जरूरी है। उसके पास अपनी बात रोगी को अच्छे ढंग से समझाने की क्षमता का होना भी जरूरी है।

संभावनाएं

विशेषज्ञों के अनुसार, एजुकेशन के बाद हेल्थकेयर ऐसा सेक्टर है, जिसमें नौकरी की संभावनाएं हमेशा बनी रहती है। सोनोग्राफी से संबंधित पढ़ाई करने के पश्चात सरकारी व निजी अस्पतालों, क्लीनिकों, नर्सिंग होम, हेल्थकेयर सेंटरों, टेक्निकल कॉलेज आदि में जॉब की संभावनाएं हैं। यदि इच्छा हो तो हेल्थकेयर के अतिरिक्त रिसर्च व टीचिंग में भी करियर बना सकते हैं।

अब इस तरह करें आईएएस प्रारंभिक परीक्षा की तैयारी की रणनीति -

आईएएस प्रारंभिक परीक्षा में लगभग एक माह बचा है। अब परीक्षार्थियों के लिए जरूरी है कि मुख्य परीक्षा को भूलकर 7 अगस्त तक पूरी तरह से प्रीलिम्स पर ही ध्यान दें। आईएएस का नोटिफिकेशन प्रीलिम्स परीक्षा का सिलेबस बहुत डिटेल में नहीं बताता है मगर परीक्षार्थियों के लिए जरूरी है कि सिलेबस को गहराई में जाकर पढ़े। आईएएस की प्रीलिम्स परीक्षा पूरी तरह से तथ्यात्मक जानकारी पर आधारित है। बिना तथ्यात्मक जानकारी के न तो विश्लेषण हो सकता है और न ही बहस, न ही अंदाजा लगाया जा सकता है तो जाहिर है कि किसी भी तरह की राय कैसे कायम की जा सकती है। यह बात सही है कि यूपीएससी सीधे-

सीधे तथ्यात्मक जानकारी नहीं पूछती

है। परीक्षार्थियों को तथ्यात्मक जानकारी को उसके कानूनी, सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि के साथ समझना होगा तभी तथ्यों को सही सिद्ध किया जा सकता है।

ई-कॉमर्स बिजनेस को लेकर रखें ऐसी अप्रोच : अब 2016 की आईएएस प्रीलिम्स परीक्षा के लिए सिर्फ एक माह और कुछ दिन ही बचे हैं तो परीक्षार्थियों को अब अपने पर फोकस करना होगा। जिन भी विषयों में आपको परेशानी है आप उन्हीं विषयों से प्रारंभ करें और उनके ज्यादा-से-ज्यादा प्रश्न हल करें। इसे ऐसे कह सकते हैं कि यदि आप उड़ना चाहते हैं तो पहले आपको जमीन छोड़नी पड़ेगी। आईएएस प्रीलिम्स परीक्षा की तैयारी का यह सबसे महत्वपूर्ण समय है। और आपको अब चुनौतियों का सामना करने के लिए अपने कंफर्ट जोन से बाहर आना ही होगा। दिन-रात की मेहनत ही आपको इस बाधा को पार करवाएगी। अब समय एनसीईआरटी की किताबें, न ही एनआईओएस या फिर इग्नू की सामग्री से शुरू करने का नहीं, प्रैक्टिस और रीविजन का है। 7 अगस्त को परीक्षा ली जानी है तो मान कर चलें कि पेपर सेटिंग, प्रिंटिंग और पहुंचने

में 20 दिन का समय लगेगा। तो 16 जुलाई तक के समाचार पत्रों को बहुत ध्यान से देखें। 17 जुलाई के बाद के अखबारों पर समय बर्बाद न करें। हां, सरसरी तौर पर देखते रहें क्योंकि हो सकता है कि आपको किसी घटना को नए एंगल से समझने में मदद मिले।

ऐसी हो रणनीति इन बचे हुए दिनों में क्या-क्या कर सकते हैं? रिविजन, पिछले वर्षों में पूछे गए सवालों को नई अवधारणाओं के साथ जोड़ना, मॉडल टेस्ट पेपर्स/मॉक पेपर्स, प्रैक्टिस पेपर्स आदि सॉल्व करना। आईएएस टॉपर्स से टिप्स लेना भी बुरा विचार नहीं है क्योंकि वे कुछ सिलेबस को कवर करने के लिए कुछ टिप्स दे सकते हैं।

यदि आपने विषयवार अपने सवालों और कंसेप्ट्स को जाना है तो आप अपनी कमजोरी को भी समझ पाएंगे। और फिर उसे ठीक करने के लिए प्रयास कर पाएंगे ताकि आप परीक्षा में बेहतर कर पाएं। अब समय है भारतीय राजनीति की अवधारणाओं और उसके उपयोग के विश्लेषण का, महत्वपूर्ण राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय घटनाओं पर गौर करने और उनको रिवाइज करने का। यह समय है संबद्ध सवालों पर फोकस करने का, जो कि यूपीएससी की प्रीलिम्स परीक्षा में अक्सर पूछे जाते हैं। ताकि संबंद्ध अवधारणाओं के बारीक फर्क को समझा जा सके। चार सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं, जिनको ज्यादा गंभीरता से पढ़ना चाहिए-1. भारतीय अर्थव्यवस्था, 2. भारत का भूगोल, 3. भारत की राजनीति और 4. करंट अफेयर्स, यह अपने आप में पर्यावरण और पारिस्थितिकी, साइंस और टेक्नोलॉजी को समेट लेगा।

"SWATI TUTION Classes"
Don't waste time
Rush Immediately for Coming Session 2016-2017
Personalized Tutions up to 7th Class for All Subjects
Special Classes for Sanskrit
CONTACT : SWATI TUTION CLASSES
SAGAR PREMIUM TOWER, D-BLOCK, FLAT.NO.007
MOBILE-9425313620, 9425313619

व्यापार में सफलता के लिए आसान उपाय

अपने व्यवसाय को लेकर अकसर लोगों को यह शिकायत रहती है कि पूरी मेहनत और प्रयास के बाद भी सुनिश्चित सफलता नहीं मिल रही है। यदि आपको भी अपने व्यवसाय में समस्याओं का सामना करना पढ़ रहा है, तो फिर किसी सर्टिफाइड वास्तु कंसल्टेंट से संपर्क करें क्योंकि बिजनेस में अपेक्षित सफलता ना मिलने का कारण आपके घर या ऑफिस में वास्तु असंतुलन भी हो सकता है।

किसी भी व्यवसाय में सफलता के लिए कुछ बातें बहुत महत्वपूर्ण होती हैं मसलन - प्रॉपर प्लानिंग, धन या फाइनेंस, योजना को किस तरह से क्रियान्वित करना है, टीम मैनेजमेंट आदि।

इन सारी चीजों में पैसा या फाइनेंस सबसे महत्वपूर्ण है क्योंकि अगर आपके पास समुचित धन नहीं होगा तो आप चाहे कितनी भी योजनाएं क्यों ना बना लें उसे क्रियान्वित नहीं कर पायेंगे। हम बताते हैं कि वास्तु के किन उपायों का उपयोग करके आप अपने व्यवसाय में लाभ कमा सकते हैं।

व्यवसाय के लिए लोन लेना चाहते है तो उत्तर पश्चिम में दो सफेद घोड़ों की तस्वीर लगाएं।

भाग्यांक की दिशा में उस दिशा से संबंधित रंग व शेप की तस्वीर लगाएं।

कस्टमाइज वस्तु सिद्धांतों पर अमल करके आप व्यवसाय में सफलता के चरम सोपान तक पहुंच सकते हैं।

आमतौर पर लोगों की धारणा है कि उत्तर धन का जोन है, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि धन और अवसर का जोन उत्तर धन को बढ़ाने में भी कारगर सिद्ध होगा ही। व्यवसाय में सफलता के लिए धन और अवसर के जोन उत्तर के साथ-साथ बैंकिंग और सहयोग के जोन उत्तर-पश्चिम को दुरुस्त करना भी जरूरी है।

इस जोन की एनर्जी को बढ़ाने के लिए कंपनी के मालिक या डायरेक्टर की डेट ऑफ बर्थ का खास तौर पर विश्लेषण करना चाहिए कि इस जन्मतिथि में पंचतत्वों जल, आकाश, वायु, पृथ्वी और अग्नि में से किस तत्व की प्रधानता है, उसी के आधार पर उसके बैठने की जगह को संतुलित करें। अगर उसकी जन्मतिथि में जल तत्व कमजोर है, तो उसे संतुलित करने के लिए डायरेक्टर के कमरे में सेलिंग शिप या डॉल्फिन का चित्र लगाएं। इसके लिए आप विशेषज्ञ की सहायता ले सकते हैं।

अगर डायरेक्टर या मालिक की डेट ऑफ बर्थ ज्यादा प्रभाशाली नहीं है, तो उसके स्थान पर उसके पुत्र या पत्नी की जन्मतिथि का प्रयोग भी कर सकते हैं।

किसी भी व्यवसाय की सफलता में दिशाओं की महत्वपूर्ण भमिका होती है। दिशाओं से लाभ उठाने के लिए आप अपने प्रयोजन को ध्यान में रखें। इसके साथ ही आपका व्यवसाय किस तरह का है इस का ध्यान रखना भी जरूरी है। अगर आप ट्रेडिंग का बिजनेस कर रहे हैं, तो उसमें स्टॉक का विशेष महत्व है। बिजनेस में निश्चित सफलता के लिए अपने स्टॉक को दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखें।

कंपनी के मालिक के बैठने की दिशा उसकी जन्मतिथि के अनुसार शुभ दिशा में हो तो बेहद अच्छा रहता है। इसमें जातक के व्यवसाय को भी देखना पड़ता है।

व्यवसाय में सफलता के लिए उत्तर और उत्तर पश्चिम को सक्रिय रखें।

अगर आपको अपने ऑफिस में जाने के बाद काम करने का मन नहीं करता है या यूं कहें कि आप एनर्जेटिक फील नहीं करते हैं और आपके अंदर निराशा की भावना आती है, तो इसका सीधा सा मतलब है कि आपके कार्यस्थल पर नेगेटिव एनर्जी सक्रिय है, इसी वजह से आपको मनोवांछित की प्राप्ति नहीं हेा रही है। कार्यस्थल में पॉजिटिव एनर्जी विकसित करने के लिए एनर्जी सॉल्ट से 27 दिन तक पोंछा लगवाएं आपको वांछित परिणाम नजर आने लगेगा।

जब भी आपको किसी से व्यवसाय में बढोतरी के संबंध में बात करनी है, तो फिर पूर्व में बैठकर करें।

धन एवं समृद्धि के देवता कुबेर का निवास उत्तर में है, इसलिए धन एवं समृद्धि को आकर्षित करने के लिए उत्तर और उत्तर-पूर्व को संतुलित रखें। इसके लिए आप उत्तर दिशा में टेबल पर या फिर दीवार में बने आले पर कुबेर की मूर्ति लगा सकते हैं।

फेंगशुई की मदद से बनाएं सुकून वाला घर

हमलोग सभी एक अच्छा घर चाहते हैं, जहां सुकून के दो पल बिता सकें। फेंगशुई आपको सही घर बनाने में मदद करता है, इसके साथ ही यह आपको यह भी बताता है कि घर में हर रूम का कितना महत्व है और यह कहां-कहां स्थित रहना चाहिए, जिससे आपको मन की शांति और चैन मिल सके।

बेडरूम- जिनकी अभी हाल में ही शादी हुई है या युवा कपल हैं, उन्हें अपना बेडरूम घर के अंदर उत्तर-पश्चिम दिशा में रखनी चाहिए। वैसे शादीशुदा जोड़े जो महत्वाकांक्षी हैं, उन्हें अपना रूम दक्षिण दिशा में रखनी चाहिए और जो अपने गोल तक जल्द से जल्द पहुंचना चाहते हैं उन्हें उत्तर दिशा में रहना चाहिए।

ओल्ड कपल को पूर्व दिशा में रहना चाहिए, जिससे उन्हें शांति और आराम मिल सके। गेस्ट रूम को उत्तर-पश्चिम दिशा में बनाना चाहिए। इससे गेस्ट को आराम मिलेगा। सोने वक्त सिर को दक्षिण दिशा में रखें। लेकिन अगर ऐसा संभव न हो सके तो आप पूर्व दिशा में भी सिर रख सकते हैं।

किचन- इस बात का ध्यान रखें कि घर में किचन दक्षिण-पूर्व दिशा में होनी चाहिए, क्योंकि इस जोन को अग्नि जोन कहा जाता है। और खाद्य पदार्थों को पीसने वाली क्रिया दक्षिण-पूर्व दिशा में करें, इसलिए मिक्सर ग्लेंडर इसी दिशा में रखें।

अगर इस दिशा में किचन रखना संभव नहीं हो पा रहा है तो उत्तर-पश्चिम या पश्चिम या दक्षिण दिशा को चुन सकते हैं लेकिन उत्तर-पूर्व, पूर्व या दक्षिण जोन को किचन के लिए नहीं चुना जाना चहिए।

मैं कभी भी किचन को दक्षिण-पश्चिम दिशा में रखने की सलाह नहीं दूंगी क्योंकि इससे संबंधों में तनाव आता है। किचन में बेसीन उत्तर दिशा में और रेफ्रिजरेटर उत्तर-पश्चिम दिशा में होना चाहिए।

सभी बड़े बरतन और सामान दक्षिण-पश्चिम जोन में होना चाहिए। ऑफिस पैन्ट्री दक्षिण-पूर्व जोन में होना चाहिए।

बाथरूम- नहाने का क्षेत्र पूर्व या उत्तर दिशा में होना चाहिए, ध्यान रखें इस दिशा में टॉइलट नहीं हो। टॉयलट के लिए सही जोन उत्तर या उत्तर-पश्चिम या पश्चिम है। बाथरूम को काफी फैंसी नहीं बनाना चाहिए। यह साधारण और साफ-सुथरा रहे तो अच्छा है।

पूजा घर- उत्तर-पूर्व को मानसिक शुद्धता का जोन कहा जाता है। इसे साफ-सुथरा रखा जाना चाहिए। इस जोन में भगवान की पूजा, ध्यान और योग करें तो अच्छा है। मंदिर और योग रूम बनाने के लिए यह सबसे सही जोन है।

चली गई नौकरी, ये चीजें करना न भूलें

अपने करियर में एक प्रोफेशनल के लिए सबसे कठिन समय रहता है जब उसकी नौकरी चली जाए, विशेष रूप से तब जब उसे इस बात की आशा नहीं थी। लेकिन किसी भी कारणवश अगर ऐसा होता है तो आपको कुछ चीजें आवश्यक रूप से करना चाहिए-

- आपको सबसे पहले अपने इमोशंस पर ध्यान देना होगा। पहले इस बात को समझें कि किस तरह की भावनाएं आपके जेहन में आ रही है। इसके बाद आप यह पता करें कि इन भावनाओं के साथ क्या किया जाना चाहिए और इसे प्रोडक्टिव तरीके से रिस्पॉन्ड करें। अगर आपने अपनी भावनाओं को समझते हुए इसे नियंत्रित नहीं किया तो यह आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकती है।

- आठ घंटे की नींद लें, जल्दी उठें, एक्सरसाइज करें, शॉवर लें, अच्छे से तैयार हो जाएं, घर से बाहर निकले आपको ऐसे कठिन समय में भी चीजों को सामान्य रखना जरूरी है। खुद को व्यस्त और सक्रिय रखें। आप घर में बैठकर केवल रोते नहीं रह सकते।

- अपने गुस्से को शांत करें। हो सकता है आपको अपनी पुरानी नौकरी में साथ काम करने वालों को लेकर आक्रोश हो। उन्होंने आपके साथ गलत किया हो। लेकिन याद रखें कि वे भी केवल सरवाइव करने की कोशिश कर रहे है। अपने पुराने बॉस और सहकर्मियों की अच्छी क्वॉलिटीज की सूची बनाइए। इससे आपको पुरानी बातों से निकलने में आसानी होगी।

- जिन लोगों से आप सालों से नहीं मिले हो, उनसे मिलने की योजना बनाइए। इससे आपका नेटवर्क भी बनेगा और उन्हें पता रहेगा कि आप नए जॉब की तलाश कर रहे हैं।

- जब भी नौकरी हाथ से जाती है तो कहीं न कहीं आपके आत्मविश्वास का डगमगाना नैचुरल है। लेकिन यह बात जरा न भूलें कि जब आप काम कर रहे थे तो आपने अच्छा काम किया और कंपनी की ग्रोथ में योगदान दिया। अपनी मुख्य उपलब्धियों की सूची बनाइए जो कि आगे आपको मार्केट कर सके।

ज्योग्राफी में है रुचि, तो आपके लिए यह करियर रहेगा परफेक्ट

- आप निकाले गए हैं या आपने एकदम नौकरी छोड़ने का फैसला किया है तो आपके लिए यह आर्थिक रूप से भी बड़ी परेशानी खड़ी करता है। एक दिन निकाले और अपना नया बजट तैयार करें। आपको अभी नहीं पता होगा कि कब आपकी दूसरी नौकरी लगेगी और कब स्थायी आय शुरु होगी। आपको अपने खर्चे को लेकर सजग रहना होगा।

फ्रांस को हराकर पुर्तगाल पहली बार बना यूरो कप चैंपियन

पेरिस। फ्रांस को उसी की धरती में 1-0 से मात देकर पुर्तगाल ने पहली बार यूरो कप फुटबॉल पर कब्जा कर लिया. मुकाबला काफी रोमांचक रहा, निर्धारित समय में कोई परिणाम नहीं निकले पर रेफरी ने पहले तीन मिनट का अतिरिक्त समय दिया, फिर 15-15 मिनट का, इसमें भी परिणाम नहीं निकलने पर 2 मिनट का और अतिरिक्त समय दिया गया। इसमें आखिरकार पुर्तगाल की टीम को फ्रांस के खिलाफ पहला गोल दागने में सफलता मिल गयी. खेल के 109वें मिनट में पुर्तगाल के ढस्नद्दह ने गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलायी. पुर्तगाल के एक गोल की बराबरी फ्रांस ने अंत तक नहीं कर पाया और इस तरह से यूरो कप पर पुर्तगाल का कब्जा पहली बार हो गया। मैच में दोनों टीमों के स्टार खिलाडियों का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा. फ्रांस के ग्रीजमैन और पुर्तगाल के रोनाल्डो अपनी प्रतिभा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाये. हालांकि रोनाल्डो आज चोटिल हो गये और पहले हाफ में ही मैदान से बाहर चले गये और अंत तक वापस नहीं आये. रोनाल्डो के बाहर चले जाने के बाद टीम में थोड़ी कमी नजर आयी, लेकिन अतिरिक्त समय में टीम ने शानदार प्रदर्शन दिखाया और जीत दर्ज की।

* पहली बार यूरो कप जीता पुर्तगाल : यूरो कप 1960 से खेला जा रहा है, लेकिन पुर्तगाल को एक बार भी मौका नहीं मिला खिताब जीत का. जबकि फ्रांस की टीम ने दो बार यूरो कप पर कब्जा जमाया है. फ्रांस एक बार 1984 में और दूसरी बार 2000 में चैंपियन बना. पुर्तगाल 2004 में फाइनल का मुकाबला खेला था, लेकिन उस समय उसे ग्रीस के हाथों करारी हार का सामना करना पड़ा था * **फ्रांस का सपना टूटा :** फ्रांस ने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि वो अपने घर में ही पुर्तगाल के हाथों हार जाएगा. आज जब फ्रांस की टीम अपने घर में फाइनल का मुकाबला खेलने उतरी, तो उसके सामने 1984 यूरो चैंपियनशिप और 1998 विश्व कप के बाद अपनी सरजमीं पर तीसरा बड़ा खिताब जीतने पर था, लेकिन पुर्तगाल की टीम ने उसके सारे सपने को तोड़ दिया।

फिल्म समीक्षा

'सुलतान' वन मेन शो

हमें पता है 'सुल्तान' सलमान खान की फिल्म है.. और सलमान खान को देखने के लिए फैंस को रिव्यू की कोई जरूरत नहीं होती। फिल्म की ओपनिंग कलेक्शन देखकर साफ होता है कि ये भाईजान की फिल्म है.. बस.. फिर ना कहानी की जरूरत होती है.. ना किरदारों की। सलमान खान की धूरी पर घूमती सुलतान एक खेल फिल्म ना होकर निश्चित तौर पर एक बड़े दर्शक वर्ग के लिए तैयार किया गया मनोरंजन का मसालेदार तड़का है। इस कथा में गांव, समाज और देश की वो जरूरी बातें भी आ जाती हैं, जिनमें लड़कियों की जिंदगी और उनकी प्रगति का मसला है। निर्देशक ने शुरू से आखिर तक फिल्म को हरियाणवी माटी से जोड़े रखा है।

पूरी फिल्म में सलमान ही सलमान हैं। लिहाजा, बाकी सभी किरदार उनके सामने कहीं खोए से लगते है। सलमान खान ने सुल्तान के लिए जीतोड़ मेहनत की है और वो साफ दिखती है। खास कर दंगल के दांव-पेच के दृश्यों में उनकी चपलता और वर्जिष देखने लायक है। फिल्म में सलमान के किरदार को बेहतरीन दिखाने के लिए कई बार तार्किकता को दरकिनार किया गया है। सलमान खान के स्टारडम का पूरा उपयोग होने के बावजूद इस फिल्म में सलमान खान अपनी पॉपुलर इमेज से बाहर निकलने में सफल रहे हैं। अधिकांश दृश्यों में उन्होंने चरित्र का साथ निभाया है और ये अच्छी बात है कि उम्रदराज अभिनेता ऐसी चुनौतियों के मुकाबले में सफल हो रहे हैं। अनुष्का शर्मा ने आरफा के किरदार को बस निभाया ही है। अखाड़े में उनकी फुर्ती और स्फूर्ति किरदार के अनुकूल नहीं है। फिल्म देखते वक्त बरबस ही कंगना रनौत की याद आती है। शायद हरियाणवी लड़की का उनके द्वारा निभाया गया 'तनु वेड्स मनु' का किरदार सालो तक हमारे दिलों दिमाग में रहेगा। सुल्तान के दोस्त गोविंद की भूमिका में अनंत शर्मा याद रह जाते हैं। अमित साध भी अपने अभिनय से प्रभावित करते हैं।

इरशाद कामिल और विशाल-शेखर के गीत-संगीत में फिल्म की थीम, किरदारों के इमोशन और व्यावसायिक जरूरतों पर समान रूप से ध्यान दिया गया है। फिल्म को आर्टर जुरावस्की नामक पोलिश सिनेमाटोग्राफर ने शूट किया है। उन्होंने न केवल हरियाणा बल्कि कुश्ती और मार्शल आर्ट वाले सीन भी उम्दा तरीके से शूट किए हैं। आमतौर पर स्पोर्ट्स वाले सीन फिल्म में बहुत ज्यादा होते हैं तो उनकी एकरसता से दर्शक बोर हो जाते हैं, लेकिन यह आर्टर की सिनेमाटोग्राफी का कमाल है कि उन्होंने हर फाइट को अलग-अलग कोणों से शूट किया है। सलमान खान दर्शकों का पैसा वसूल कराने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ते। बॉक्स ऑफिस पर उनके भव्य पुराने रिकार्ड को यह फिल्म आसानी से तोड़कर खूब कमाई करेगी। फिल्म में सलमान खान की एंट्री धमाकेदार है.. एकदम सीटीमार.. लेकिन, क्लाईमैक्स को दिलचस्प बनाने में निर्देशक थोड़े चूक गए हैं। कोई शक नहीं कि सुल्तान परिवार के साथ जाएं और एंजॉय करें। फिल्म है पूरी पैसा वसूल। ये हमे एक सन्देश भी देती है कि 'असली कुश्ती रिंग में नहीं लड़ी जाती.. यह वह दंगल है जो असल जीवन में लड़ते हैं'।

★★★ *अजय सिसोदिया*

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा दिशागोचर पब्लिकेशन 26 बी, प्रेस काम्पलेक्स एम.पी. नगर, जोन-1 से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505,आर.एन.आई. नं. MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)